SHIV NADAR FOUNDATION

प्रेस विज्ञप्ति

आई एम कलाम एवं कडवी हवा के डायरेक्टर नीला माधब पांडा की अगली फिल्म, हल्का ने किनोलब फेस्टिवल फॉर चिल्ड्रन एण्ड यूथ, पोलैंड में सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार जीता

21 वें मॉन्ट्रील इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल में अपने वर्ल्ड प्रीमियर में ग्रांड प्रिक्स डि मॉन्ट्रील जीतने के बाद फिल्म को मिलने वाला यह दूसरा ग्रांड प्रिक्स है

शिव नादर फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत और रणवीर शोरे, पाओली डेम एवं बाल कलाकार तथास्तु अभिनीत यह फिल्म 31 अगस्त को रिलीज़ होगी

नई दिल्ली, 12 जून, 2018 : 21 वें मॉन्ट्रील इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रांड प्रिक्स डि मॉन्ट्रील जीतने के बाद, नीला माधब पांडा की अगली फीचर, **हल्का** ने **किनोलब फेस्टिवल फॉर चिल्ड्रन एण्ड यूथ,** पोलैंड में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का एक और **ग्रांड प्रिक्स** पुरस्कार जीत लिया है। शिव नादर फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत और अक्षय पारीजा एवं नीला माधब पांडा द्वारा निर्मित, हल्का 31 अगस्त को रिलीज़ होगी। शिव नादर फाउंडेशन एक मानवप्रेमी संगठन है, जिसकी स्थापना 8 बिलियन डॉलर के प्रमुख टेक्नॉलॉजी एवं हेल्थकेयर इंटरप्राईज़, एचसीएल के संस्थापक, शिव नादर ने की थी।

पुरस्कार प्रदान करते हुए ज्यूरी ने कहा, ''हमने हल्का फिल्म को ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार के लिए इसलिए चुना क्योंकि इस फिल्म ने एक मुश्किल विषय को उठाने का साहस किया तथा इसे मौलिक एवं हल्के–फुल्के रूप में पेश करके युवा दर्शकों के सामने रखा। पॉलिश दर्शकों को इस फिल्म द्वारा सांस्कृतिक रूप से दूरदराज के देश में रहने की सच्चाईयों के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।''

हल्का झुग्गी में रहने वाले बच्चे के साहस, महत्वाकांक्षा और सपनों का अद्वितीय चित्रण है। इसका प्रमुख किरदार एक बच्चा पिचकू है, जो अपने दैनिक जीवन की एक आधारभूत समस्या– खुले में शौच के खिलाफ संघर्ष करता है। वह अपना खुद का टॉलेट बनाना चाहता है, जहां उसकी निजता के साथ शांति से हल्का हो सके। शिव नादर फाउंडेशन ने इस मूवी के लिए नीला माधब पांडा के साथ साझेदारी की, क्योंकि यह फिल्म फाउंडेशन के इस विश्वास को प्रतिपादित करती है कि परिवर्तन की शुरुआत एक व्यक्ति या एक बच्चे से होती है, जो समस्या के खिलाफ खड़ा होता है। इस मूवी के साथ फाउंडेशन अन्य लोगों को अपने सपनों की दिशा में बढ़ने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा देना चाहता है।

इस हल्के–फुल्के मनोरंजन से भरपूर फिल्म में बाल कलाकार तथास्तु पिचकू की भूमिका निभा रहे हैं और रणवीर शोरे एवं पाओली डेम उसके माता–पिता की भूमिका में हैं।

कड़वी हवा एवं आई एम कलाम की नेशनल अवार्ड विजेता डायरेक्टर, नीला माधब पांडा ने कहा, ''हमारे लिए ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार कुछ ही महीनों में दूसरी बार प्राप्त करना गौरव की

बात है। हम इस फिल्म को भारत में 31 अगस्त को रिलीज़ करने वाले हैं और उम्मीद है कि भारतीय दर्शक इसे बहुत पसंद करेंगे।''

डायरेक्टर ने गर्व के साथ कहा, ''हल्का अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सवों में बहुत पसंद की जा रही है। हमें गर्व है कि यह फिल्म दुनिया के कई फिल्मोत्सवों में जा रही है।''

हल्का इस साल कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सवों में चयनित की गई है, जिसमें 58 वां इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल फॉर चिल्ड्रन एण्ड यूथ शामिल है। अन्य में चेक रिपब्लिक, इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल श्लिंगेल, जर्मनी, तेल अवीव इंटरनेशनल चिल्ड्रंस फिल्म फेस्टिवल, इज़रायल, डेनमार्क में बुस्टेर आदि भी शामिल हैं।

फेस्टिवल एवं पुरस्कार

विजेता – ग्रांड प्रिक्स डि मॉन्ट्रील, 21 वां एफआईएफईएम, कैनेडा।
विजेता – ग्रांड प्रिक्स – किनोलब फेस्टिवल फॉर चिल्ड्रन एण्ड यूथ, पोलैंड।

ऑफिशियल सलेक्शन – 58 वां ज़ीलिन फिल्म फेस्टिवल, चेक रिपब्लिक।

प्रतियोगिता में – 23 वां श्लिंगेल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, जर्मनी।
प्रतियोगिता में – ओज़ो डि पेस्काडा, चिली।
प्रतियोगिता में – किनोलब, पोलैंड।
ऑफिशियल सलेक्शन – 23 वां ला माटाटेना, मेक्सिको।
ऑफिशियल सलेक्शन – तेल अवीव इंटरनेशनल चिल्ड्रंस फिल्म फेस्टिवल, इज़रायल।
प्रतियोगिता में – लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल।

-X-X-X-

शिव नादर फाऊन्डेशन के बारे में :

शिव नादर फाऊन्डेशन (www.ShivNadarFoundation.org) विश्व के 31 देशों में 120,000 से ज्यादा कर्मचारियों के साथ 8 बिलियन डॉलर की अग्रणी ग्लोबल टेक्नॉलॉजी एवं आईटी कंपनी है। इसकी स्थापना एचसीएल के फाऊन्डर शिव नादर ने की है।1976 में स्थापित एचसीएल भारत के ओरिज़नल आईटी गैरेज़ स्टार्टअप्स में से एक है और विविध बिज़नेस संबंधी तकनीकी समाधान पेश करता है, जिनमें संपूर्ण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर स्पेक्ट्रम के साथ औद्योगिक वर्टिकल्स की श्रृंखला शामिल हैं।

यह फाऊन्डेशन व्यक्तियों को सामाजिक–आर्थिक अंतर को दूर करने में समर्थ बनाकर एक बराबरी के और मेरिट पर आधारित समाज के निर्माण के लिए समर्पित है। इस लक्ष्य के लिए यह फाउन्डेशन भारत में ट्रांसफॉर्मेशनल शिक्षा, रचनात्मकता और कला से संबंधित अविकसित डिसिप्लिनरी क्षेत्रों पर केन्द्रित है।

इस फाऊन्डेशन ने 1996 में एसएसएन इंस्टीट्यूशंस (www.SSN.edu.in) की स्थापना की, जिनमें चेन्नई, तमिलनाडु में भारत का प्रतिष्ठित प्रायवेट इंजीनियरिंग कॉलेज–एसएसएन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग शामिल है। इस फाउंडेशन ने विद्याज्ञान की स्थापना भी की है, जो उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर एवं सीतापुर में प्रतिभाशाली ग्रामीण बच्चों के लिए आवासीय लीडरशिप एकेडमी है। इसके अलावा

फाउन्डेशन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा में सशक्त अनुसंधान उन्मुख अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, शिव नादर युनिवर्सिटी *(www.snu.edu.in)* तथा शिव नादर स्कूल (*www.shivnadarschool.edu.in)* का संचालन भी करता है।, जो भारत में प्रगतिशील शहरी स्कूलों का नेटवर्क है और बच्चों को ऐसी शिक्षा प्रदान करता है, जो उन्हें जीवनपर्यंत लर्नर्स बनाती है। इस फाउंडेशन ने किरन नादर म्यूज़ियम ऑफ आर्ट *(www.knma.in)* की स्थापना भी की है, जो आधुनिक और सामयिक कला में भारत का सबसे बड़ा प्राईवेट उदारवादी म्यूज़ियम है। इसका लक्ष्य कला को आम लोगों तक पहुंचाना है।